2018

(October)

HINDI

(Elective/Honours)

(HIN–EL–I)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) गाँधीजी बड़े दुखी हुए और उन्होंने सत्याग्रह और असहयोग की उस व्यापक लड़ाई को बिल्कुल स्थगित कर दिया। स्वयंसेवकों के जुलूस, सरकार-विरोधी सभाएँ, दमन-कानूनों के खिलाफ संघर्ष सब बंद।

(ख) गजाधर बाबू खुश थे, बहुत खुश। पैंतीस साल की नौकरी के बाद वह रिटायर होकर जा रहे थे। इन वर्षों में अधिकांश समय उन्होंने अकेले रहकर काटा था। उन अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी, जब वह अपने परिवार के साथ रह सकेंगे।

(ग) मैं वास्तव में दुखी हूँ सिर पर सफेद कफ़न बुना जा रहा है; आज पहला तार डाला गया है। उम्र बुनती जाएगी इसे और और यह यौवन की लाश को ढँक लेगा। दुख नहीं होगा मुझे? दुख उन्हें नहीं होगा, जो बूढ़े ही जन्मे हैं।

(घ) हिन्दू चूरन इसका नाम।
बिलायत पूरन इसका काम॥
चूरन जब से हिन्द में आया।
इसका धन बल सभी घटाया॥

(ङ) लम्बे समय से वह केवल दो ही ग्रंथ पढ़ते आ रहे हैं— यंत्रवत्, नियमवत्, रामायण और गीता। लम्बे पैंतीस वर्षों तक अखण्ड केवल रामायण और गीता। उसके पहले युवाकाल में जो-कुछ जितना-कुछ पढ़ा हो उन्होंने।

2. औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'बाबा बटेसरनाथ' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

3. 'पत्नी' कहानी के आधार पर सुनंदा का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

अथवा

कहानी-कला की दृष्टि से 'जिन्दगी और जोंक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

4. समकालीन संदर्भ में 'अंधेर नगरी' की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

नाट्यकला के तत्त्वों के आधार पर 'अँधेर नगरी' की समीक्षा कीजिए।

5. 'क्रोध' निबंध में व्यक्त लेखक के विचारों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'गेहूँ बनाम गुलाब' निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

★★★